

tackle this problem from two aspects. If there is difficulty in the matter of acquisition of land we want to see that the procedure is simplified so that land for the construction of houses in the industrial sector can be made available. Secondly, this committee will also examine, where in certain circumstances it has been stated to us that vast lands were acquired by industrialists for industrial purposes of which a large part is still lying unused, whether part of that land could not be diverted for construction of industrial houses.

**श्री भागवत झा आजाद :** अभी माननीय मंत्री जी ने बताया कि आवास की जो सुविधायें हैं वे पर्याप्त नहीं हैं, उन की बहुत कमी है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि अब तक सरकार ने जो इस काम के लिए जो अनुदान और कर्ज दिए हैं, यद्यपि वे सीमित हैं, उन का ठीक उपयोग किया गया है या नहीं ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** वह तो मैं ने कहा कि जितने मकान उन्हें बनाने चाहिए उतने उन्होंने नहीं बनाए हैं, बहुत थोड़े बनाए हैं। कहीं पर कहते हैं कि जमीन नहीं मिलती है, कहीं कहते हैं कि पानी नहीं मिलता ...

**अध्यक्ष महोदय :** जो रुपया दिया गया उस का पूरा उपयोग हुआ या नहीं ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** यह जो चीज हम करते हैं इसको स्टेट गवर्नमेंट्स की भारफ्त करते हैं। अगर किसी खास योजना या इंडस्ट्री के बारे में जानकारी हासिल करना हो तो मुझे बतलाया जाये, मैं मालूम कर के बता सकूंगा।

**Shri P. Venkatasubbalah:** In view of the fact that there has been a very unsatisfactory progress so far as private sector is concerned in providing accommodation to industrial workers, may I know whether the Government would make it a matter of policy to insist upon a condition precedent to provide accommodation for the industrial workers whenever a licence is issued for a private-sector industry?

**Shri Mehr Chand Khanna:** That question has been examined, it is fraught with difficulties.

**Shri D. C. Sharma:** Have any decisions been taken to take action, punitive, financial or social, against those industrialists who did not build houses for any valid reasons?

**Shri Shinkre:** What does he mean by 'social'?

**Mr. Speaker:** Whether any action has been taken against those who did not spend the money—that is what he wants to know.

**Shri Mehr Chand Khanna:** There is no compulsion in a matter of this nature.

शान्तिवन, दिल्ली

+

{ श्री नवल प्रभाकर :  
श्री प्रकाशबीर झास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धास्त्री :  
\* 382. { श्री रा० बरुणा :  
श्री रामसेवक :  
श्री क० गो० सेन :  
श्री यशपाल सिंह :

क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में शान्तिवन के विकास के लिये कोई योजना तैयार की गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) यह कब तक क्रियान्वित की जायेगी ?

**निर्माण और आवास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) :** (क) से (ग) शान्तिवन में दरख्त लगाने और डीयर पार्क बनाने का विचार है। इस योजना को हम दो हिस्सों में चलायेंगे, जो जल्दी की योजना है उस में निचली जमीन को भरा जा रहा है, और

समाधि तक पैदल चलने वालों के लिए रास्त बना दिया गया है और समाधि के चारों तरफ एक जंगला बना दिया जायेगा। जो बड़ी योजना है वह विचाराधीन है।

**श्री नवल प्रभाकर :** क्या मैं जान सकता हूँ कि इस के लिए कितनी भूमि निर्धारित की गयी है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** भूमि तो इस के लिए वहाँ बहुत ज्यादा है। मुझे जबानी तो याद नहीं है। लेकिन हमारा इरादा है कि राजघाट से ले कर पुराने किले के दूसरे कोने तक जितनी भी जमीन पड़ः है हम उस को इस तरह इस्तेमाल करें कि उस पर कोई आस मकान वगैरह न बनें, उस जगह को साफ रखें। शायद वह जमीन 70 एकड़, या 100 एकड़ या 150 एकड़ है। मुझे जबानी याद नहीं है, लेकिन काफी जमीन है।

**श्री नवल प्रभाकर :** क्या यह सही है कि जिस जगह का मंत्री जी ने जिक्र किया है वहाँ गन्दगी बहुत ज्यादा है। यह एक अन्तर्राष्ट्रीय स्थान है, जहाँ पर बहुत से लोग बाहर से श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं। क्या इस गन्दगी को दूर करने का प्रयत्न किया जा रहा है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** जी हां, गन्दगी वहाँ बहुत ज्यादा थी। हम शान्तिवन के इलाके को भी साफ कर रहे हैं और उस के सामने का जो इलाका है वहाँ से तमाम झुग्गी झोंपड़ियों को हटा दिया गया है, वहाँ हम चमन बना रहे हैं और जगह को साफ कर रहे हैं और इरादा यही है कि वह एक शानदार और मतबरक जगह बन जाये जोकि हिन्दुस्तान की शान के शायों हों।

**Shri Basumatari:** May I know whether this plan is under the direct charge of the Minister of Works and Housing or whether any committee has been set up so that they may go into it?

**Shri Mehr Chand Khanna:** The Ministry which is in charge of this, is the Ministry of Works and Housing. But, as I said just now, a committee has been appointed which would help my Ministry in the matter of development of Shantivana.

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या शान्तिवन में फलदार पेड़ लगाए जायेंगे, और अगर लगाए जायेंगे तो कितनी भूमि पर, और क्या इन फलों का उपयोग जनता के लिए किया जा सकेगा ?

**अध्यक्ष महोदय :** दरख्त अभी लगे नहीं और फल खाने के लिए आप उत्सुक हैं।

**श्री यशपाल सिंह :** जिन झुग्गी झोंपड़ी वालों को वहाँ से हटाया जा रहा है उन की सेवा के लिए तो नेहरू ने अपनी लाइफ डेडॉकेट कर रखी थी। ये लोग तो उस जगह की शोभा बढ़ा रहे थे। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या कारण हुआ कि इनको वहाँ से उजाड़ कर बेघर किया जा रहा है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** माननीय सदस्य ने एक दिन मेरी सराहना की थी कि मैं ने रिहैबिलिटेशन में बहुत अच्छा काम किया है। मैं समझता हूँ कि वह इस मामले में भी जल्दी ही मेरी सराहना करेंगे क्योंकि मैं उन गरीबों को जल्द बसा दूंगा।

**अध्यक्ष महोदय :** वह सरटिफिकेट तो उस वक्त के लिए था।

**श्री यशपाल सिंह :** नहीं, अब भी मेरा बही खयाल है।

**Shri D. J. Naik:** May I know what would be the cost for developing Shantivana?

**Shri Mehr Chand Khanna:** It is difficult for me to say it at the moment. But the plan is getting ready and we should be able to take a decision in regard to this within the next two or three months. After that, I shall be in a position to indicate the approximate financial implications.

श्री सरजू पाण्डेय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि शान्तिवन की योजना पर कुल कितना रुपया खर्च होगा ?

श्री मेहर चन्द लाला : अभी यह बताना मुश्किल है, जब योजना तैयार हो जायगी तो बता सकूंगा ।

श्री अम्बुल गनी गोनी : मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह जो राजघाट और शान्तिवन को इकट्ठा करने की प्रोजेक्ट बनायी जा रही है, इसमें शान्तिवन में एक बहुत बड़ी नरसरी लगाने के बारे में सरकार का क्या खयाल है ?

प्रध्यक्ष महोदय : यह सजेशन है ।

श्री रतन लाल : मैं यह जानना चाहता हूँ कि शान्तिवन के विस्तार का कार्य कब तक पूरा हो जायगा ।

श्री मेहर चन्द लाला : जब दूसरी योजना तैयार हो जायगी और लॉग टर्म प्रोजेक्ट सैंकशन हो जायगी तब यह बतलाया जा सकेगा । मेरे खयाल में इस में समय तो लगेगा ।

श्री गुलशन : प्रध्यक्ष महोदय . . .

प्रध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य मुझे प्रांख से पकड़ने की कोशिश करें, कान से पकड़ने की नहीं ।

श्री गुलशन : अभी मंत्री जी ने बताया कि राजघाट और शान्तिवन को अच्छा बनाने के लिए सी एकड़ के लगभग जमीन एकवायर की जा चुकी है । मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस का अगुआ लगाया है कि अगर दस प्रधान मंत्री शान्त हो जायें तो उन के लिए कितनी भूमि शान्तिघाट बनाने के लिए होनी चाहिए, सारी दिल्ली होनी चाहिए या बाहर से जमीन एकवायर की जायेगी ?

Mr. Speaker: I do not allow the question.

### Prevention of Pollution of Jamuna Water

+

\*383. {  
 Shri Surendra Pal Singh:  
 Shri R. G. Dubey:  
 Shrimati Savitri Nigam:  
 Shri Vishwa Nath Pandey:  
 Shri Bibhuti Mishra:  
 Shri K. N. Tiwary:  
 Shri Heda:  
 Shri Himatsingka:  
 Shri Rameshwar Tantia.

Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether it is a fact that two projects have now been finalised to check the inflow of flood waters into the Jamuna river near Wazirabad in order to prevent pollution of the Capital's supply of drinking water; and

(b) if so, the main features thereof and the financial implications of the same?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Shri P. S. Naskar): (a) Yes, Sir.

(b) A statement is laid on the Table of the Sabha.

#### Statement

The following two projects for the prevention of pollution of Jamuna water are being taken up:—

(1) (a) *Embankment from Tail Regulator to Shah Alam Bridge.*

This work has been taken up by the Delhi Administration recently at an estimated cost of Rs. 3,10,000.00. About 2½ lakhs cft. of earthwork was done upto the middle of February, 1965.

(b) *Excavation in rock of the cutfall which joins Jamma 1,400 ft. below Wazirabad.*

This work is to be done by the Karnal Drainage Circle of the Government of Punjab. The work has recently been started. The target for